

U/b

86

5000Rs.



बैनामा 152,000/- रुपये, स्टाम 19000/- रुपये।



Photo Attested

Syauk Jain
Advocate

Teh. Sardhana (Meerut)

मैं अशोक कुमार पुत्र महावीर सिंह निवासी ग्राम दौराला पखाना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ का इस लेख द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि मैं निम्नलिखित अचल सम्पत्ति का संक्रमणीय भूमिधर हूँ तथा निम्न सम्पत्ति के लेवने का मुझे पूर्ण अधिकार है जो हर प्रकार के वृष भार व हस्तान्तरण आदि से मुक्त है। किसी व्यक्ति संस्था या सरकार की कोई देनदारी विधिक सम्पत्ति पर नहीं है और जिसमें मेरे अतिरिक्त अन्य कोई भी किसी प्रकार का भागीदार नहीं है और विधिक सम्पत्ति

Syauk Jain



- 2 -

की बाबत मैंने अब से पूर्व कोई माहयदा अन्य किसी के साथ नहीं कर रखा है जिसके हस्तान्तरण के पूर्ण अधिकार जो मेरे पूर्ण स्वेप कब्जे और अधिकार में हैं, मुझको प्राप्त हैं। विष्णु भूमि कृषि भूमि है। चूँकि खसरा नम्बर 1162/3 में क्रेता बजरिये खरीदारी बैनामा पूर्ववत् स्वामी है जिससे विष्णु भूमि की डोल से डोल मिली है। ऐसी दशा में बाजारी कीमत विष्णु मूल्य से अधिक नहीं है। जिस के हस्तान्तरण में ही मेरा व मेरे परिवार का लाभ व सुविधा है

अतः निम्नलिखित सम्पत्ति को मय तत्सम्बन्धी समस्त अधिकारों के बिना कोई अंश व भाग बचाये स्वस्थ बुद्धि प्रसन्नता व हार्दिक इच्छा से बिना किसी दबाव व बहकाव के बदले अंकन 1,52,000/- एक लाख बावन हजार रुपये में कि आधे जिसके अंकन 76000/-

प्रियत्तर हजार रुपये होते हैं, हाथ श्री मैसर्स दौराला ओरियेनल लि0 पंजीकृत अन्तर्गत 1956 कम्पनी अधिनियम, हिमालय हाउस

De la
Bun.

968 28 व 3 5000
ता. मेस स दोराला और
का स्वास्य की निवासी मई दिल्ली को विक्रय कि
कुल क्रिसे 5000

गुणेश्वर पुष्पाए स्टान्ध विक्रम
मन्त्रः लक्ष्म्या (मेरु) इन्द्र

21104

JAN 1993
दुपप्रीविका
मसुदा (भरत)

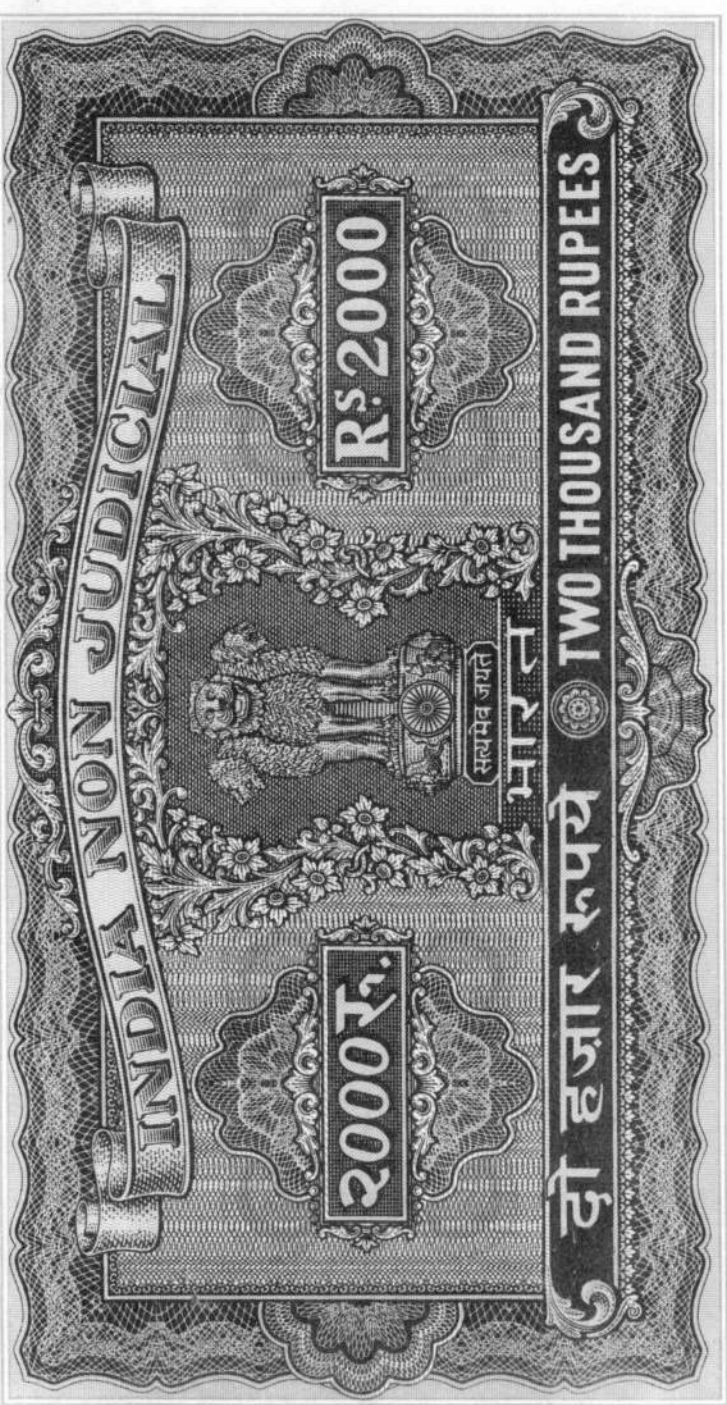
3000Rs.



- 3 -

कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री
तिलकधर पुत्र डा० लाला बन्नीधर निवासी राजदूत मार्ग नई
दिल्ली सूबा देहली के दफ्तारया बय किया। पूर्णतया बेव दिया
और बिलीधन क्रेता से द्वारा बैंक नम्बर 0157733 दिनांक
28-1-93, यूनिजन बैंक मेरठ कैंन्ट द्वारा प्राप्त किये और
स्मये के बदले विविक्त सम्पत्ति पर क्रेता को मोके पर कब्जा
देकर उसे विविक्त भूमि ला पूर्ण स्वामी काबिज बनाया और
यय T इच्छा प्रयोग करने का अधिकार दिया। बस अब विविक्त

K. S. Puri



- 4 -

भूमि व प्राप्ति स्मयों की बाबत मेरा क्रेता के साथ कोई

विवाद शेष नहीं रहा और न भविष्य में होगा। क्रेता को

अधिकार होगा कि वह सम्पत्ति उक्त का जिस प्रकार चाहे

प्रयोग करे। मैं स्कावट न डालूंगा तथा विज्ञित सम्पत्ति पर

क्रेता का दाखिल खारिज कराने का मेरा पूर्ण उत्तरदायित्व

होगा। प्रतिज्ञा है कि यदि मेरे स्वत्व या अधिकार के प्रभाव

के कारण या किसी भागोदार की आपत्ति के कारण या

किसी नुक्स कानूनी से विज्ञित सम्पत्ति कुल या उसका कोई

अंश कबले क्रेता से निम्न जावे तो या क्रेता का दाखिल खारिज

Ashe *pur*

963 2893 2008
 श्री. 962 में शामिल किया गया
 गुणेश्वर कुंभार स्तान्ध वि.प्र.स.
 ज.स. सरधना (मेरठ) 8-1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

962- में शामिल किया गया।

211112

गणेश्वर कस्तूर दशरथ विद्यालय

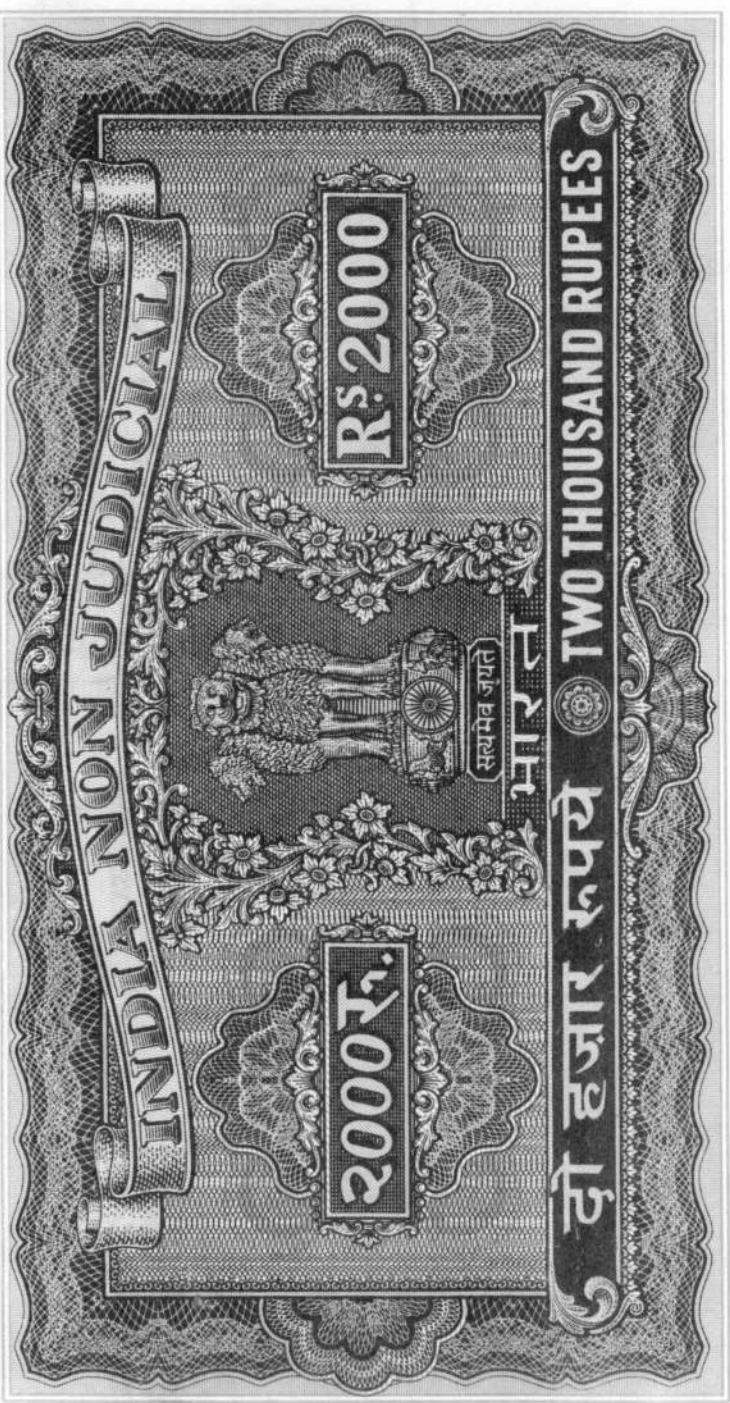
अध्या. ०. सारधना (गिरफ) ९-११



21/12/12

JAN 1993

सप्रेम (वेपथु)



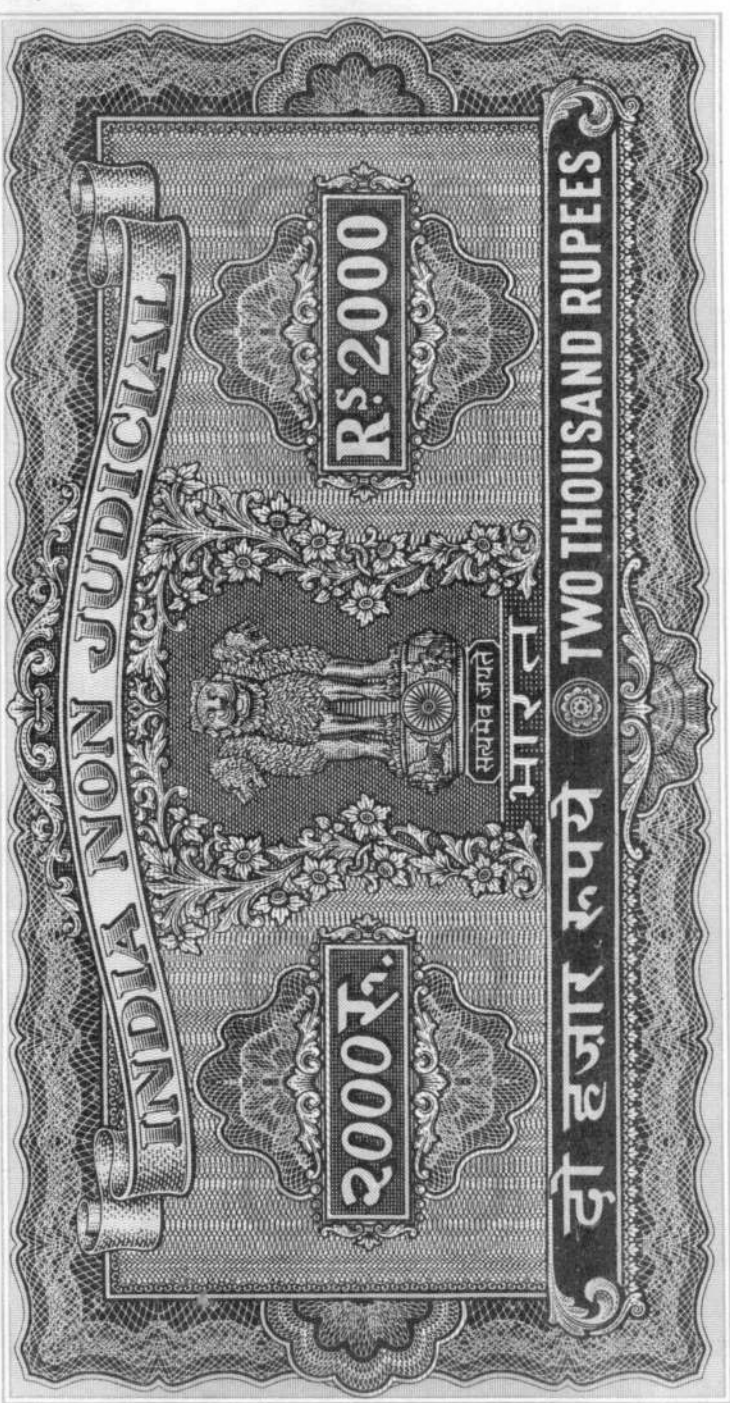
- 5 -

न कराऊं तो ऐसी प्रत्येक दशा में ज़ेता अपना कुल धन मय 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज व दर्जे खर्चे के मुद्दसे व मेरी चल अचल सम्पत्ति व मेरे उत्तराधिकारीगण से प्राप्त कर ले। मुझे या मेरे उत्तराधिकारीगण को कोई आपत्ति न होगी। विनिम्न भूमि सरकारी नज़ूल वरफ एवं कस्टो-डियन सम्पत्ति नहीं है। मैं अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से नहीं हूँ। अतः यह पूर्ण बिक्रीपत्र लिखा दिया कि प्रमाण हो और समय पर काम आवे।

विवरण विनिम्न भूमि :-

कुल विनिम्न क्षेत्रफल - 1955 एक हजार नौ सौ पचपन वर्ग मीटर, लगान 9.66 रुपये सालाना, यानि चक संख्या 375 के छतरा नम्बर 1162/3 रकबा 5-4255 पांच हैक्टेयर चार हजार दो सौ पचपन वर्ग मीटर, में अपने पूर्ण अन्श में से 1214 एक हजार दो सौ चौदह वर्ग मीटर, व चक संख्या 50 छतरा नम्बर 1162/2, 0-0741 सात सौ

Handwritten signature



- 6 -

इकतालीस वर्ग मीटर लगान ७.६६ स्पष्ट, स्थित ग्राम दौराला
परगना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ। फोटो का सत्यापन
जिनेन्द्र कुमार जैन, एडो सरधना ने किया है।

Deo pur

च. ३ वी २ सिट
S/O जी सुनेर सिट
V/P दौसना मेरठ
R/S. Neeraj
Sd/- Raghunath Singh
V/S. Dawa
R/S. Neeraj

दिनांक- 28-1- अठाईस जनवरी सन 1993 ई०।

मसविदा- जिनेन्द्र कुमार जैन, एडो सरधना जिला मेरठ

टाइप- सुरेन्द्र कुमार शर्मा, सरधना जिला मेरठ

1021 28-1-93 2000

1920

1888

2113614

संस्कृत-विभाग

一、

कान्तिविद्युत् जलकोषायाश्च सञ्चाल्य

288 18912

— 118 —

प्रेममूर्तिप्रकाश

1478 (१५८)



28-1-93

235

416

102 90 1 77 46 77 1 1 76 1 31 84 4 25 54 1 30 5 20 1